रिपोर्ट "विविधता में एकता कार्यक्रम"

दिनांक 26 सितम्बर 2022

वीर बहादुर सिंह पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार दिनांक 26 सितम्बर 2022 को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है।

मा. कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य द्वारा रिबन काटकर भारतीय व्यंजन स्टाल का शुभारम्भ करते हुये |

वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है।इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। **सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मनमोहा ,नृत्य और नाटक में दिखी विविधता में एकता** |

कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत विविधता में एकता कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ मनीष कुमार गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार, जनसंचार विभाग ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिवगण अमृत लाल, अजीत सिंह, श्रीमती बबिता सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी प्रो. राजेश शर्मा, प्रो.देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ मनोज मिश्र, कुलानुशासक डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ रसिकेश, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ सुजीत चौरसिया, सुश्री अन्नू त्यागी, डॉक्टर धीरेंद्र चौधरी, डॉ डा. विनय वर्मा, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रामगोपाल, डॉ. इन्द्रेश गंगवार, विद्युत मल्ल आदि उपस्थित थे।

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ०प्र०)

Email:connectpuregistrar@gmail.com

Tel. No.: (05452) 252244
Web: www.vbspu.ac.in

पत्रांक : 2876 / पू0वि0वि0 / कु0स0 / 2022 दिनांक : 13.09.2022

कार्यालय आदेश

दिनांक 13.09.2022 को अपराह्न 04.00 बजे प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन के अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक आहूत की गयी जिसमें निर्देश दिये गये कि दिनांक 26 सितम्बर, 2022 को **"विविधता में एकता"** थीम पर कार्यक्रम आयोजित किये जाने है। जिसके भाषा, परिधान, खान–पान एवं संस्कृति आदि अभिन्न अंग सम्मिलित होगे। यह कार्यक्रम आयोजित करके **नमों एप एवं सोशल मीडिया** पर अपलोड किया जाना है। इस कार्यक्रम की माइक्रो योजना तैयार करके दिनांक 15.09.2022 तक प्रत्येक दशा में शासन को प्रेषित किया जाना है।

अतः मा0 कुलपति महोदया के आदेश दिनांक–13.09.2022 द्वारा उक्त कार्य सम्पन्न कराने हेतु एक समिति गठित की गयी है, जो निम्नवत् हैः–

1. **डॉ0 मनीष गुप्ता, एसो0प्रोफेसर, बायोटेक्नोलाजी विभाग — नोडल अधिकारी**
2. **डॉ0 जान्हवी श्रीवास्तव, असि0प्रोफेसर, व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग — सहा0 नोडल अधिकारी**
3. **डॉ0 सुनील कुमार, असि0 प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, — सहा0 नोडल अधिकारी**

उपरोक्त समिति से अपेक्षा की जाती है कि संदर्भित कार्यक्रम की माइक्रो योजना तैयार करके दिनांक 15.09.2022 तक प्रत्येक दशा में शासन को प्रेषित करने के साथ ही दिनांक 26.09.2022 को कार्यक्रम आयोजित कराकर सूचना नमों एप एवं सोशल मीडिया पर अपलोड करना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

कुलसचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. वित्तअधिकारी / परीक्षा नियन्त्रक।
2. समिति के सदस्यगण को सूचनार्थ।
3. समस्त संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष / शिक्षकगण विश्वविद्यालय परिसर।
4. समस्त सहायक कुलसचिव।
5. निजी सहायक, कुलपति, मा0 कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
6. गार्ड फाइल।

कुलसचिव

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ०प्र०)

Email:connectpuregistrar@gmail.com

Tel. No.: (05452) 252244
Web: www.vbspu.ac.in

पत्रांक : 05 / पू०वि०वि० / बी०टी० / 2022 दिनांक : 16.09.2022

कार्यालय आदेश

विश्वविद्यालय के कार्यालय आदेश संख्या 2876 / पू०वि०वि० / कु०स० / 2022 दिनांक 13.09.2022 द्वारा दिनांक 26 सितम्बर, 2022 को **"विविधता में एकता"** थीम पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए समिति का गठन किया गया है जिसके नोडल अधिकारी डॉ० मनीष कुमार गुप्ता, एसो० प्रोफेसर, बायोटेक्नोलाजी विभाग एवं डॉ० जान्हवी श्रीवास्तव व डॉ० सुनील कुमार सहायक नोडल अधिकारी नामित किये गये है। उक्त कार्यक्रम के आयोजन कराये जाने के सम्बन्ध में मा० कुलपति महोदया के आदेश दिनांक 15.09.2022 द्वारा उपसमिति का गठन की गयी है, जो निम्नवत् है :–

क्रं०	नाम	दायित्व	गतिविधियां
1.	डॉ० रसिकेश, असि०प्रो०, एच०आर०डी० विभाग	संयोजक	भारत के विभिन्न राजयों की संस्कृति का नाट्य मंचन द्वारा प्रस्तुति
	डॉ० अन्नू त्यागी, असि०प्रो०, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग	सह–संयोजक	
2.	डॉ० नितेश जायसवाल, असि०प्रो०, रसायन वि०वि०, रज्जू भइया संस्थान	संयोजक	भारत के विभिन्न राज्यों के वेशभूषा के साथ विद्यार्थियों द्वारा झांकी का प्रस्तुतिकरण
	डॉ० विनय वर्मा, असि०प्रो०, फार्मेसी संस्थान	सह–संयोजक	
3.	डॉ० दिग्विजय सिंह राठौर, असि०प्रो०, जनसंचार विभाग	संयोजक	विद्यार्थियों को भारत के विभिन्न राज्यों की भाषा से परिचित कराने हेतु वृत्तचित्र (डाक्यूपेंट्री) का प्रसारण एवं नमों एप एवं सोशल मीडिया पर समस्त कार्यक्रम को अपलोड करना
	डॉ० शशि कान्त यादव, असि० प्रोफेसर, भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग	सह–संयोजक	
4.	डॉ० पूजा सक्सेना, असि०प्रो०, फार्मेसी संस्थान	संयोजक	भारतीय व्यंजन प्रतियोगिता
	डॉ० झांसी मिश्रा, असि०प्रो०, फार्मेसी संस्थान	सह–संयोजक	
	डॉ० जया शुक्ला, असि०प्रो०, इंजी० संस्थान		

उपरोक्त उपसमिति से अपेक्षा की जाती है कि संदर्भित कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पादन हेतु नामित समिति के निर्देशन पर कार्यक्रम आयोजित कराना सुनिश्चित करें।

कुलसचिव 16/9/22

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. वित्तअधिकारी / परीक्षा नियन्त्रक।
2. उपसमिति के सदस्यगण को सूचनार्थ।
3. समस्त संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष / शिक्षकगण विश्वविद्यालय परिसर।
4. समस्त सहायक कुलसचिव।
5. निजी सहायक, कुलपति, मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
6. गार्ड फाइल।

कुलसचिव

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

द्वारा

सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत

"विविधता में एकता"

कार्यक्रम

दिनांकः 26.09.2022, सोमवार, समय 1 बजे अपराह्न

कार्यक्रम स्थलः आर्यभट्ट सभागार

मुख्य संरक्षक

प्रो० निर्मला एस. मौर्य

मा. कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

डॉ. मनीष कुमार गुप्ता
नोडल अधिकारी

डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव
सह-नोडल अधिकारी

डॉ. सुनील कुमार
सह-नोडल अधिकारी

श्री संजय कुमार राय
वित्त अधिकारी

श्री बी.एन. सिंह
परीक्षा नियंत्रक

श्री महेन्द्र कुमार
कुलसचिव

संयोजकः डॉ. रसिकेश, डॉ. नीतेश जायसवाल, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. पूजा सक्सेना

सह-संयोजकः डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. विनय वर्मा, डॉ. झांसी मिश्रा, सुश्री जया शुक्ला

झल कयाँ

आंध्र प्रदेश

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
द्वारा
सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत
"विविधता में एकता"
कार्यक्रम
दिनांकः 26.09.2022, सोमवार, समय 1 बजे अपराह्न
कार्यक्रम स्थलः आर्यभट्ट सभागार
मुख्य संरक्षक
प्रो० निर्मला एस. मौर्य
डॉ. मनीष कुमार गुप्ता
डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव
डॉ. सुनील कुमार
श्री संजय कुमार राय
श्री बी.एन. सिंह
श्री महेन्द्र कुमार

HDMI 3
विविधता में एकता

Media Coverage

वाराणसी
मंगलवार
27 सितंबर 2022
03

पीयू में नृत्य-नाटक में दिखी विविधता

- सबको जोड़ती है भाषा की मिठासः कुलपति
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोहा

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया था। कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है।

वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है।

इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। संचालन सहसमन्वयक डा.जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया।

सबको जोड़ती है भाषा की मिठासः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है।

शिक्षिका को सम्मानित करतीं कुलपति।

यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने और धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने किया।

सबको जोड़ती है भाषा की मिठासः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मनमोहा, नृत्य और नाटक में दिखी विविधता में एकता

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहाकि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है। इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने और धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिवगण अमृत लाल, अजीत सिंह, बबिता सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ. राजकुमार, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. रसिकेश, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. सुजीत चौरसिया, अन्नू त्यागी, डॉक्टर धीरेंद्र चौधरी, डा. विनय वर्मा, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रामगोपाल, डॉ. इन्द्रेश गंगवार, विद्युत मल्ल आदि उपस्थित थे।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, मंगलवार, 27 सितम्बर, 2022

सबको जोड़ती है भाषा की मिठासः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

संबोधन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मनमोहा, नृत्य और नाटक में दिखी विविधता में एकता

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ विविधता में एकता कार्यक्रम

कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन करतीं कुलपति

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहाकि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है। इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने और धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिवगण अमृत लाल, अजीत सिंह, बबिता सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ. राजकुमार, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. रसिकेश, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. सुजीत चौरसिया, अन्नू त्यागी, डॉक्टर धीरेंद्र चौधरी, डा. विनय वर्मा, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रामगोपाल, डॉ. इन्द्रेश गंगवार, विद्युत मल्ल आदि उपस्थित थे।

सबको जोड़ती है भाषा की मिठास : कुलपित

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम हुआ। आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया। कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस मौर्या ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती, यह सबको जोड़कर रखती है।

कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे

विविधता में एकता कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्रा को प्रमाण पत्र देती कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या (बाएं से दूसरी) ●स्रोत - विश्वविद्यालय

बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है। इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता हुई। जिसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किए गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोह नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किय नाट्य मंचन के जरिए भी प्रतिभागि ने विविधता में एकता का संदे दिया। कार्यक्रम में बाल कलाका की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वागत पुस्तकालय प्रभा विद्युत मल्ल व डाक्टर मनीष गु ने किया। प्रोफेसर राजेश शर्मा समे कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताल बजाने पर मजबूर कर दिया।

परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह सहायक कुलसचिव अमृत लाल अजीत सिंह, बबीता सिंह, प्रोफेसर बीबी तिवारी, प्रोफेसर वंदना राय प्रोफेसर अजय द्विवेदी आदि रहे संचालन सहसमन्वयक डाक्ट जाह्नवी व आभार मीडिया प्रभारी सुनील कुमार ने व्यक्त किया।

सबको जोड़ती है भाषा की मिठास: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

सांस्कृतिक कार्यकर्मों ने सबका मनमोहा, नृत्य और नाटक में दिखी विविधता में एकता

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ विविधता में एकता कार्यक्रम

आइडियल इंडिया न्यूज

डा राजेश जैन

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत डॉ मनीष कुमार गुप्ता ने और धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिवगण अमृत लाल, अजीत सिंह, श्रीमती बबिता सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी प्रो. राजेश शर्मा, प्रो.देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ मनोज मिश्र, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ रसिकेश, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह डॉ सुजीत चौरसिया, सुश्री अन्नू त्यागी, डॉक्टर धीरेंद्र चौधरी, डॉ डा. विनय वर्मा, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रामगोपाल, डॉ.इन्द्रेश गंगवार, विद्युत मल्ल आदि उपस्थित थे।

सबको जोड़ती है भाषा की मिठास: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ विविधता में एकता कार्यक्रम

दैनिक मान्यवर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है।

उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति

का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरू बनने का मार्ग दिखाती है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है। इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे।

इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत डॉ मनीष कुमार गुप्ता ने और धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार ने किया।

जौनपुर समाचार

सबको जोड़ती है भाषा की मिठास: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मनमोहा, नृत्य और नाटक में दिखी विविधता में एकता

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ विविधता में एकता कार्यक्रम

संवाददाता जन धमाका टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी भाषा में जो मिठास है वह कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। उनका मानना है कि भाषा माला के मोती की तरह होती है और बीच में लाकेट उसकी संस्कृति का काम करती है। अगर सभी मोती एक ही धागे में है तो लाकेट का भी सम्मान है। कहने का अभिप्राय यह है कि विविध भाषाओं की एकता ही संस्कृति को मजबूत बनाती है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति का व्यवहार हमें विविधता में एकता का संदेश देती है। यह सबको जोड़ना सिखाती है। इसमें सबको आत्मसात करने की क्षमता है। यहीं हमें विश्वगुरु बनने का मार्ग दिखाती है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो संस्कृति विकसित होती है वह भूगोल के साथ आगे बढ़ती है, जिस देश की संस्कृति सबको आत्मसात करने की हो वहीं देश समृद्ध होने के साथ ताकतवर भी होता है। इसके पूर्व मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किये गए थे। इसके बाद देश के दो दर्जन से अधिक प्रांतों के विभिन्न राज्यों की संस्कृति का मनमोहक नृत्य विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन के द्वारा भी प्रतिभागियों ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी विद्युत मल्ल ने बंगला में स्वागत किया। प्रो. राजेश शर्मा समेत कई लोगों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन सहसमन्वयक डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, अतिथियों का स्वागत डॉ मनीष कुमार गुप्ता ने और धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक चीफ सिंह, सहायक कुलसचिवगण अमृत लाल, अजीत सिंह, श्रीमती बबिता सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. चंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी प्रो. राजेश शर्मा, प्रो.देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ मनेज मिश्र, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ रविकेश, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, डॉ निरीश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह डॉ सुजीत चौरसिया, सुश्री अन्नू त्यागी, डॉक्टर वीरेंद्र चौधरी, डॉ डा. विनय वर्मा, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रामगोहल, डॉ. इन्द्रेश गंगवार, विद्युत मल्ल आदि उपस्थित थे।

वसुधैव कुटुंबकम हमारी संस्कृति

सेवा पखवाड़ा के विविधता में एकता कार्यक्रम में बोले विद्यासागर सोनकर

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। भाजपा के सेवा पखवाड़े के तहत सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन जीजीआईसी में किया गया। इसमें छात्राओं ने विभिन्न प्रांतों की वेशभूषा और संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि एमएलसी विद्यासागर सोनकर ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपरा ही हमें जोड़ती है। वसुधैव कुटुंबकम की हमारी संस्कृति है।

उन्होंने कहा कि मुझे इस पर गर्व है कि जौनपुर में भारत के विविध क्षेत्रों लोग आकर बसे हैं। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि हमारी भाषा, संस्कृति, साहित्य और परंपराएं हमारे अस्तित्व की आत्मा हैं। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की। महामंत्री सुशील मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंघानियां, संदीप पांडेय, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा मौजूद रहे।

सुइथाकला के गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर मे एनएसएस ने विविधता में एकता विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. बीके निर्मल ने कहा कि भारतीय संस्कृति विविधता में एकता का अनुपम उदाहरण है। डॉ. अवधेश कुमार मिश्र, लालमणि प्रजापति, जितेंद्र सिंह, विष्णुकांत त्रिपाठी, विकास कुमार यादव, आलोक प्रताप सिंह विसेन ने विचार व्यक्त किए।

पूविवि में विविधता में एकता कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं। संवाद

नृत्य और नाटक में दिखी देश की एकता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हमारी संस्कृति ने विविधता का सम्मान किया तभी देश में एकता कायम है। मुक्तांगन परिसर में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 28 प्रांतों के व्यंजन तैयार किए गए। नाटक में विविधता में एकता का संदेश दिया गया। कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय विद्युत मल्ल, प्रो. राजेश शर्मा आदि ने विभिन्न भाषाओं में बात रखी। संचालन डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, स्वागत डॉ. मनीष कुमार गुप्ता और धन्यवाद डॉ. सुनील कुमार ने किया। परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, अमृत लाल, अजीत सिंह मौजूद रहे. संवाद